श्रद्धांजलि

गुणाकर मुळे

(1935–2009)

13 अक्टूबर के दिन विज्ञान के विख्यात लेखक श्री गुणाकर मुळे का निधन हो गया।

1935 में जन्मे श्री गुणाकर मुळे भारत में प्रथम हिंदी विज्ञान लेखक कहे जा सकते हैं। 1960 से उन्होंने विज्ञान लेखन शुरू किया था और तय किया था कि वे इसे अपना व्यवसाय बनाएंगे। यह एक साहसिक निर्णय था जिसे उन्होंने अंतिम समय तक निभाया। उनके लेखन में पत्र-पत्रिकाओं में सैकड़ों हिंदी व अंग्रेज़ी आलेखों के अलावा 30 शोधपरक पुस्तकें भी शामिल हैं। इनमें सौर मंडल, भारतीय विज्ञान की कहानी, अंतरिक्ष यात्रा, पास्कल, मेंडेलीव, केपलर, नक्षत्र लोक, सूर्य, भारतीय अंक पद्धति की कहानी, संसार के महान गणितज्ञ, राहुल चिंतन, स्वयंभू महापंडित आदि प्रमुख हैं। इन मौलिक पुस्तकों के अलावा गुणाकरजी ने करीब 1 दरज़न किताबों का हिंदी अनुवाद भी किया। आपने दो वर्षों तक दूरदर्शन से प्रसारित विज्ञान भारती कार्यक्रम की स्क्रिप्ट भी तैयार की और आकाशवाणी व दूरदर्शन पर कई कार्यक्रम भी दिए। उनकी दो पुस्तकों - भारतीय अंक पद्धति की कहानी और नक्षत्र लोक को उ.प्र. हिंदी समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया है। 1989 में गुणाकरजी को केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा आत्माराम पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संचार परिषद द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण के लिए पुरस्कत किया गया।